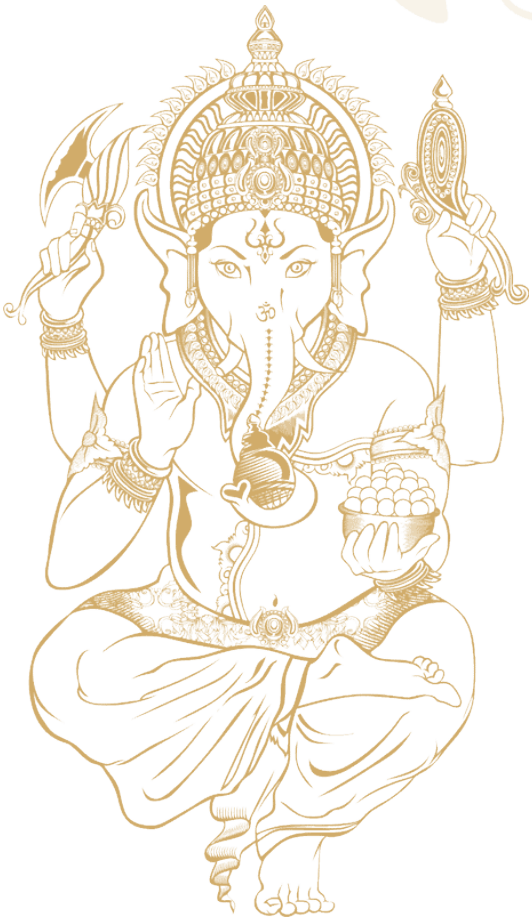

Bharat Purva

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119386701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119386701 Date: 08/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/04/1997	जन्म तिथि	26/01/2000
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	11:35:00 घंटे
घटी 34:10:42	जन्म समय(घटी)	12:11:00 घटी
India	देश	India
Raipur	स्थान	Raipur
21:16:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:43	सूर्योदय	06:42:36
18:20:18	सूर्यास्त	17:48:47
23:49:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:16

तुला	लग्न	मेष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मेष	राशि	कन्या
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
भरणी	नक्षत्र	हस्त
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	3
प्रीति	योग	सुकर्मा
तैतिल	करण	गर
लो-लोकेश	जन्म नामाक्षर	ण--
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	महिष
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	श्वान

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 3वर्ष 5मा 4दि		12:37:40	तुला	लग्न	मेष	11:31:52	चन्द्र 4वर्ष 3मा 8दि	
राहु		25:56:20	मीन	सूर्य	मक	11:43:34	राहु	
13/09/2023		24:22:53	मेष	चंद्र	कन्या	17:38:06	06/05/2011	
13/09/2041		25:03:25	सिंह व	मंगल	कुंभ	23:16:01	05/05/2029	
राहु	26/05/2026	14:15:32	मेष	बुध	मक	18:40:02	राहु	16/01/2014
गुरु	19/10/2028	22:39:43	मक	गुरु	मेष	03:22:51	गुरु	10/06/2016
शनि	26/08/2031	27:44:04	मीन	शुक्र	धनु	07:53:40	शनि	17/04/2019
बुध	14/03/2034	17:38:20	मीन	शनि	मेष	16:37:08	बुध	04/11/2021
केतु	02/04/2035	04:48:52	कन्या व	राहु व	कर्क	09:49:48	केतु	22/11/2022
शुक्र	02/04/2038	04:48:52	मीन व	केतु व	मक	09:49:48	शुक्र	22/11/2025
सूर्य	24/02/2039	14:23:28	मक	हर्ष	मक	22:18:15	सूर्य	17/10/2026
चन्द्र	25/08/2040	06:00:06	मक	नेप	मक	10:15:37	चन्द्र	17/04/2028
मंगल	13/09/2041	11:30:12	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:22:17	मंगल	05/05/2029

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:07 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:16

लग्न-चलित

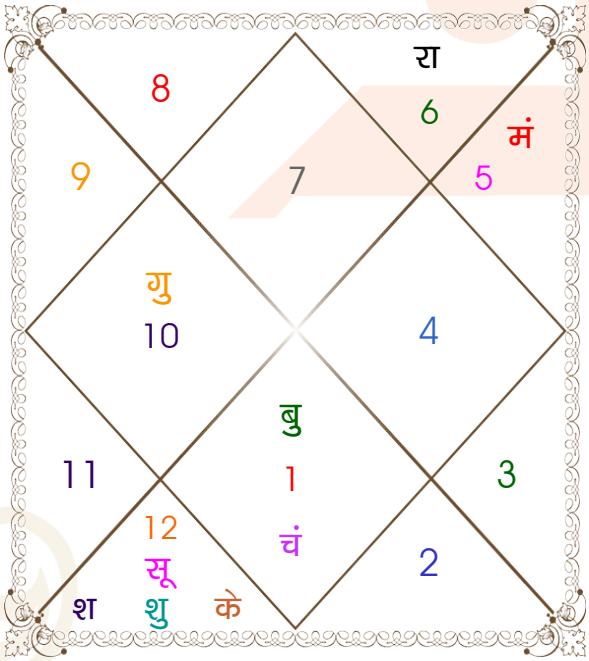

लग्न-चलित

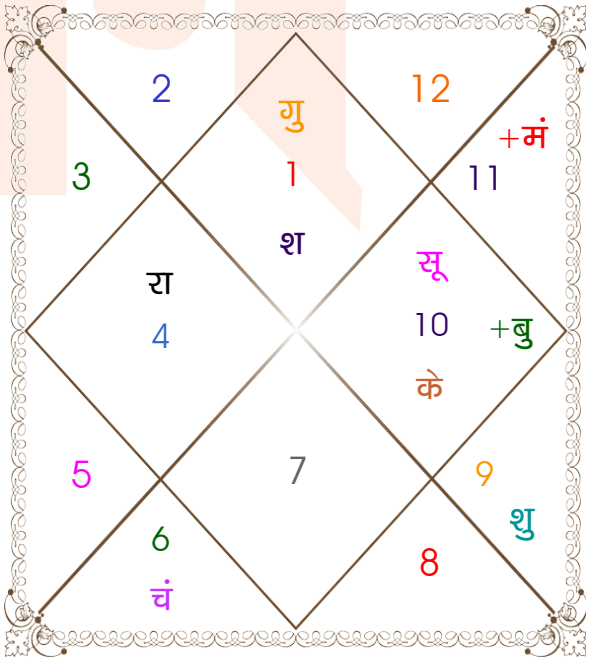

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

कुल : **20 / 36**

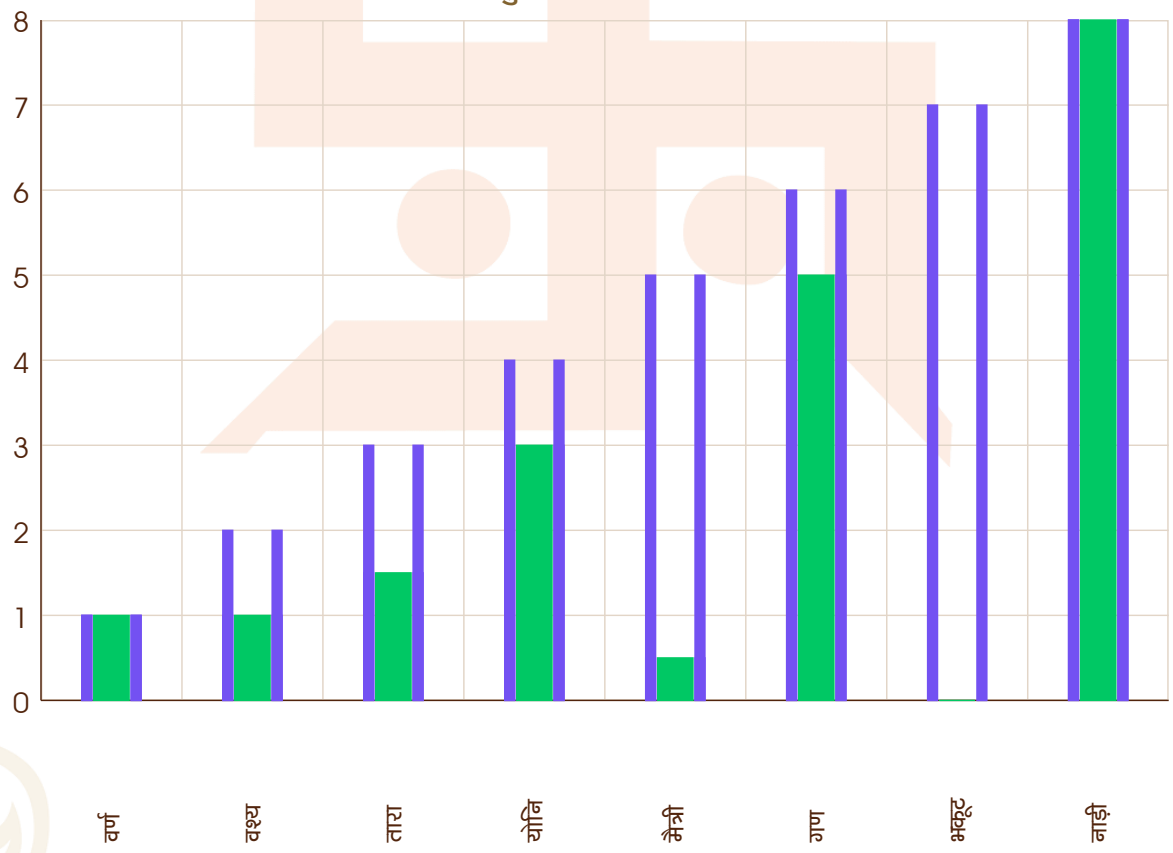

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Bharat का वर्ग मृग है तथा Purva का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Bharat और Purva का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Bharat मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Purva मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Bharat तथा Purva में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Bharat का वर्ण क्षत्रिय तथा Purva का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Purva आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Purva की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Bharat का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Purva का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Bharat एवं Purva एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Purva क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Bharat की तारा मित्र तथा Purva की तारा विपत है। Purva की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Bharat एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Purva का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Bharat की योनि गज है तथा Purva की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Bharat का राशि स्वामी Purva के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Purva का राशि स्वामी Bharat के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Bharat का गण मनुष्य तथा Purva का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Purva सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Bharat व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Bharat अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Bharat से Purva की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Purva से Bharat की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Bharat लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Purva को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Bharat की नाड़ी मध्य है तथा Purva की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ

तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Bharat की अग्नितत्व युक्त मेष राशि है जबकि Purva की राशि भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। इनके प्रभाव से इनकी प्रवृति एवं दृष्टिकोण में स्वाभाविक अंतर रहेगा अतः सुख एवं शांतिमय दाम्पत्य जीवन के लिए इनको परस्पर अपने भावनात्मक भावों को छोड़कर सकरात्मक भावों को अपनाना पड़ेगा तभी दाम्पत्य जीवन में मधुरता आ सकती है।

Bharat का राशि स्वामी मंगल सम एवं Purva की राशि स्वामी बुध शत्रुभावस्थ है। अतः इसके प्रभाव से Purva का Bharat के प्रति विषम दृष्टिकोण तथा उदासीन भाव रहेगा। अतः Bharat को चाहिए कि उपेक्षा के भाव का त्याग करें। इससे Purva हमेशा उनको सहयोग देंगी जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

Bharat की राशि से Purva की राशि षष्ठ तथा Purva की राशि से Bharat की राशि अष्टम पड़ती है । अतः यह षडाष्टक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Bharat और Purva का परस्पर जीवन में अनावश्यक विवाद होता रहेगा तथा उनके मन में भी सांसारिक चिन्ताएं विद्यमान रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता आएगी लेकिन ऐसी परिस्थितियों में Bharat की उत्साही एवं आशावादी प्रवृति Purva की उदासी दूर करने में समर्थ रहेगी।

Bharat वश्य चतुष्पद तथा Purva का वश्य मानव है तथा इनकी आपस में शत्रुता होने के कारण सम्बन्धों मतभेद होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन में अप्रसन्नता रहेगी। वे एक दूसरे की काम भावनाओं को पूर्ण करने में भी असमर्थ रहेंगे जिससे अनावश्यक चिन्ताएं उत्पन्न होंगी ।

Bharat का वर्ण क्षत्रिय है अतः वह साहसी उत्साही एवं पराक्रमी होंगे तथा विषम समस्याओं का सामना एवं समाधान करने में समर्थ रहेंगे जबकी Purva का वैश्य वर्ण होने के कारण वे मितव्ययी व्यावहारिक एवं सोचसमझ कर कार्यों को सम्पन्न करने वाली होगी । इससे उनका सांसारिक जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

धन

Bharat और Purva दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Bharat की नाड़ी मध्य तथा Purva की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Bharat और Purva का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Bharat और Purva के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Purva के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Purva को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Purva को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Bharat और Purva सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Bharat और Purva का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Purva के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Purva सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Purva को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Purva धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Purva के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव

रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Purva ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Bharat की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Bharat सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Bharat ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Bharat के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।